एफ. सं. 1704813/1/2022-वित्तिय वर्ष (समन्वय) (ई-21449)
भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्य विभाग

चंद्रलोक बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर,
36, जनपथ , नई दिल्ली-110001.
दिनांक 09 अक्टूबर , 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: **मत्स्यपालन विभाग के संबंध में सितंबर, 2024 माह के लिए मंत्रालयों/विभागों की प्रमुख गतिविधियों और लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों संबंधी मासिक सारांश मंत्रिमंडल को प्रेषित करने के संबंध में।**

अधोहस्ताक्षरी को उपर्युक्त विषय पर मंत्रिमंडल सचिवालय के दिनांक 19 अगस्त, 2019 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 1/26/1/2018-कैब का संदर्भ लेने तथा सितम्बर, 2024 माह के दौरान मत्स्यपालन विभाग द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियों, महत्वपूर्ण निर्णयों, मंत्रिमंडल/ मंत्रिमंडल समितियों के निर्णयों पर की गई कार्रवाई पर प्रगति संबंधी मासिक सारांश परिचालन और सूचनार्थ प्रेषित करने का निदेश हुआ है।

संलग्न: यथोपरि

आन्सी

(डॉ. एंसी मैथ्यू एनपी)
सहायक आयुक्त (मात्स्यिकी)

प्रति
मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य

प्रतिलिपि

1) मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन , नई दिल्ली-110001 (ध्यानार्थ: श्री पुनीत कंसल ,अपर सचिव)
2) प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव
3) राष्ट्रपति के सचिव, राष्ट्रपति भवन , नई दिल्ली
4) उपराष्ट्रपति के सचिव, 6, मौलाना आज़ाद रोड, नई दिल्ली
5) प्रेस सूचना अधिकारी, सूचना एवं प्रसारण मंत्री, शास्त्री भवन , नई दिल्ली
6) भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों के सचिव
7) सलाहकार, कृषि वर्टिकल, नीति आयोग , नीति भवन , नई दिल्ली

प्रतिलिपि सूचनार्थ प्रेषित:

1) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री के निजी सचिव
2) माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री के निजी सचिव
3) सचिव,मत्स्यपालन विभाग के प्रधान निजी सचिव
4) अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार के प्रधान निजी सचिव
5) मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त सचिव के प्रधान निजी सचिव
6) तकनीकी निदेशक, एनआईसी डीओएफ को विभाग की वेबसाइट पर संलग्न दस्तावेज अपलोड करने के अनुरोध के साथ ।

मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में सितंबर, 2024 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां

1. माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की अध्यक्षता में 5 सितंबर 2024 को कृषि भवन, नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त श्री फिलिप ग्रीन के साथ मात्स्यिकी क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के साथ संभावित द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में काउंसलर (कृषि) और प्रथम सचिव (कृषि) भी उपस्थित थे।

2. "श्रीम्प फारमिंग एण्ड एक्सपोर्ट वेल्यू चेन" पर केंद्रित एक हितधारक परामर्श का आयोजन 6 सितंबर, 2024 को विशाखापत्तनम में किया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने की। इस अवसर पर माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री (एमओएस), श्री जॉर्ज कुरियन के साथ-साथ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, अनुसंधान संगठनों और उद्यमियों आदि के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी हितधारक परामर्श में शामिल हुए।

3. माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने 11 सितंबर, 2024 को सुषमा स्वराज भवन,प्रवासी भारतीय केंद्र, चाणक्यपुरी ,नई दिल्ली में प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की चौथी वर्षगांठ समारोह की अध्यक्षता की। माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री (एमओएस), श्री जॉर्ज कुरियन के साथ-साथ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी समारोह में शामिल हुए। माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्री ने प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की चौथी वर्षगांठ समारोह के अवसर पर 5 एकीकृत जलपार्कों का विकास, 100 जलवायु अनुकूल तटीय मछुआरा गांवों (सीआरसीएफवी) का विकास, तीन स्मार्ट और एकीकृत फिशिगं हार्बर का विकास, 2 विश्व स्तरीय आधुनिक मत्स्य बाजारों का विकास, 3 इन्क्यूबेशन केंद्रों की स्थापना , खारे/ एकीकृत कृषि क्षेत्र, नए आनुवंशिक सुधार कार्यक्रम, स्वदेशी मत्स्य संवर्धन, पायलट अध्ययन/ड्रोन प्रदर्शन योजना, सीएमएफआरआई, मंडपम केंद्र, तमिलनाडु में समुद्री शैवाल के लिए उत्कृष्टता केंद्र/सेंटर आफ एक्सलेंस (सीओई), मीठे पानी/ मेरिन फिशरिज न्यूक्लियस ब्रिडिंग सेंटर (एनबीसी) और मात्स्यिकी क्षेत्र में उत्पादन और प्रसंस्करण क्लस्टरों का विकास कार्यों का शुभारंभ किया।

4. माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, श्री जॉर्ज कुरियन ने स्वच्छता एवं सफाई बनाए रखने की प्रतिबद्धता का समर्थन करने के लिए 17 सितंबर, 2024 को कृषि भवन , गेट नंबर 4 पर स्वच्छता ही सेवा शपथ का नेतृत्व किया।

5. माननीय केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 19 सितंबर, 2024 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) सभागार, पूसा, नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में सहकारिता मंत्रालय की पहलों पर चर्चा करने के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने 2 लाख नए एमपीएसीएस, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों के गठन और सुदृढ़ीकरण और 'श्वेत क्रांति 2.0' और 'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के लिए मार्गदर्शिका का शुभारंभ किया।

6. माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सभी पात्र मछुआरों और मत्स्य पालकों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड की सुविधा प्रदान करने के लिए 13 सितंबर 2024 को भुवनेश्वर, ओडिशा में '2024-25 के लिए राष्ट्रव्यापी एएचडीएफ केसीसी अभियान' का उद्घाटन किया।

7. स्वच्छता ही सेवा अभियान की एक गतिविधि के रूप में, माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के नेतृत्व में 28 सितंबर, 2024 को असोला भाटी वन्यजीव अभयारण्य, तुगलकाबाद , नई दिल्ली में माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री (एमओएस), श्री जॉर्ज कुरियन, विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ सैकड़ों स्कूली बच्चों की उपस्थिति में 500 से अधिक पौधे लगाने के लिए वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

8. मत्स्यपालन विभाग ने एनएफडीबी और अन्य क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ 19-21 सितंबर, 2024 के दौरान भारत मंडपम, नई दिल्ली में "विश्व खाद्य भारत"(वर्ल्ड फूड इंडिया) में भाग लिया, जिसमें खाद्य सुरक्षा में स्थायी मात्स्यिकी और जल कृषि की भूमिका पर जोर दिया गया।

9. 12 सितंबर, 2024 को सचिव ने मत्स्यपालन विभाग विभिन्न मात्स्यिकी परियोजनाओं के लिए योजनाओं और कार्यक्रमों के तहत बजट आवंटन और व्यय की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

10. 13 सितंबर , 2024 को मत्स्यपालन विभाग के सचिव ने हजारीबाग , मदुरै और लक्षद्वीप में क्रमशः मोती पालन, सजावटी मात्स्यिकी और सी वीड की खेती के लिए मात्स्यिकी के क्लस्टर विकास के लिए गतिविधियों और समयसीमा की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

11. सचिव, मत्स्यपालन विभाग ने मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए ड्रोन अनुप्रयोगों में अनुसंधान और विकास पर प्राथमिक अध्ययन की समीक्षा करने के लिए 24 सितंबर, 2024 को कोलकाता में केंद्रीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीआईएफआरआई) का दौरा किया। सीआईएफआरआई ने एक ड्रोन प्रदर्शन का आयोजन किया जिसमें वैज्ञानिकों और राज्य मत्स्य अधिकारियों के साथ-साथ मछुआरों और मछुआरिनों ने भी भाग लिया।

12. 04 सितंबर 2024 को संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मात्स्यिकी) ने भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया और मात्स्यिकी क्षेत्र के मानकीकरण के वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन के रोडमैप पर चर्चा की।

13. 20 सितंबर 2024 को संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मात्स्यिकी) ने विश्व खाद्य भारत 2024 में पोषण और सतत मात्स्यिकी और जलीय कृषि पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें वैज्ञानिकों , विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और उद्योगपतियों ने भाग लिया और मजबूत (रेसीलिफ्ट) खाद्य क्षेत्र के माध्यम से मत्स्य प्रसंस्करण, ट्रेसेबिलीटी, पोषण सुरक्षा के मानकों के लिए परिवर्तनकारी रणनीतियों पर प्रकाश डाला।

14. मत्स्यपालन और जल कृषि अवसंरचना विकास कोष/फिशरीज एण्ड एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलमेंट फंड (एफआईडीएफ) पर समीक्षा बैठक-सह-रणनीति कार्यशाला 9 सितंबर 2024 को नई दिल्ली में मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मात्स्यिकी और प्रशासन) और नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक डॉ . ए.के. सूद की सह- अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इसका उद्देश्य एफआईडीएफ परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और विशेष रूप से श्रीम्प पालन और निर्यात मूल्य श्रृंखला के लिए निजी उद्यमियों द्वारा प्रस्तावों को शीघ्रता से स्वीकार करने के लिए एक रणनीति विकसित करना था।

15. 20 वीं एफआईडीएफ सीएएमसी बैठक 26 सितंबर 2024 को संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में आयोजित की गई और एफआईडीएफ के तहत निजी लाभार्थियों के 632.34 लाख रुपये के प्रस्तावों की सिफारिश की गई।

16. 24 सितंबर 2024 को संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने नई दिल्ली में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित डिजिटल कृषि मिशन के तहत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और राष्ट्रीय मात्स्यिकी डिजिटल प्लेटफॉर्म के विकास और एग्रीस्टैक के साथ इसके संभावित अभिसरण पर प्रस्तुति दी ।

17. संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने ब्राजील के जी-20 प्रेसीडेंसी के तहत 10 से 11 सितंबर, 2024 तक माटो ग्रोसो राज्य के ब्राजील के शहर चापाडा डॉस गुइमारेस में आयोजित चौथी कृषि कार्य समूह बैठक में भाग लिया।

18. संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने 20 सितंबर, 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा अनुमोदित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार पीएमएमएसवाई के तहत गहरे समुद्र में मत्स्यन जलयानों (डीप सी फिशिंग वेसल्स) की खरीद के लिए योग्यता प्रमाण पत्र जारी करने पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की ।

19. 27 सितंबर, 2024 को संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) ने सरदार पटेल भवन में बहु एजेंसी समुद्री सुरक्षा समूह-नीति/मैरीटाइम सेक्यूरिटी ग्रुप-पालिसी (एमएएमएसजी-पालिसी) की 9वीं बैठक में भाग लिया ।

20. राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एनएफडीबी) ने एनएफडीबी के मुख्य कार्यकारी की अध्यक्षता में 64 वीं परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की बैठक आयोजित की और वृहत इफ्रस्ट्रक्चर परियोजनाओं पर चर्चा की जो इस प्रकार है-(i) वनकबारा, दीव में स्मार्ट और इंटीग्रेटेड फिशिगं हार्बर का विकास, (ii) कराईकल , पुदुच्चेरी में स्मार्ट और एकीकृत फिशिगं हार्बर का विकास, (iii) जखाऊ , कच्छ, गुजरात में स्मार्ट और एकीकृत फिशिगं हार्बर का विकास (iv) अरुणाचल प्रदेश राज्य में हापोली , लोअर सुबनसिरी जिला, जीरो - 1 में आधुनिक थोक(होलसेल) और खुदरा(रीटेल) मत्स्य बाजार का निर्माण और (v) असम के कछार जिले में अत्याधुनिक आधुनिक थोक मत्स्य बाजार की स्थापना , एकीकृत एक्वा पार्क असम (vi) मणिपुर का एकीकृत एक्वा पार्क, (vii) महाराष्ट्र राज्य से संबंधित अतिरिक्त कार्य योजना-2024-25 (viii) आंध्र प्रदेश राज्य से संबंधित एएपी-2024-25 के तहत सागर मित्र की अतिरिक्त संख्या और (x) मिजोरम और मणिपुर में एकीकृत एक्वा पार्क। कुल 463.31 करोड़ की परियोजनाओं को पीएसी द्वारा मंजूरी दी गई।

21. एनएफडीबी ने क्रमशः 8600 और 73,305 व्यक्तियों के लिए 11 प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम और 66 आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए।

22. तटीय जलकृषि प्राधिकरण (सीएए) ने 1197 आवेदनों पर कार्रवाई की, जिनमें तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों/संघ शासित प्रदेशों से पंजीकरण और पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए प्राप्त 734 आवेदन और इनपुट निर्माताओं से एंटीबायोटिक मुक्त जलकृषि इनपुट के लिए अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए 463 आवेदन शामिल हैं। निरीक्षण और निगरानी के लिए फार्मों और हैचरी का 732 बार दौरा किया गया।

23. केंद्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजीनियरिंग संस्थान/सेंटरल इंसीट्यूट ऑफ कोस्टल इंजिनियरिंग फॉर फिशरी (सी.आई.सी.ई.एफ.) ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के पुदीमदका में लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का उपयोग करके फिशरी हार्बर के विकास के लिए एक पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार की । उन्होंने पुदुच्चेरी के कराईकल क्षेत्र में टी.आर. पट्टिनम (पट्टिनाचेरी) में फिश लैंडिंग सेन्टर के विकास के लिए एक पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट भी तैयार करके प्रस्तुत की ।

24. केंद्रीय मत्स्य नौचालन एवं इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान/सेंटरल इंसीट्यूट ऑफ फिशरीज नोटिकल एंड इंजीनियरिंग ट्रेनिंग (सिफनेट) ने 4 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 3 नियमित पाठ्यक्रम, 01 मछुआरा प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल थे, जिनसे कुल 335 अभ्यर्थी लाभान्वित हुए।

25. राष्ट्रीय मात्स्यिकी पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण संस्थान/नेशनल इंसीट्यूट ऑफ फिशरीज पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नॉलोजी एंड ट्रेनिंग (निफेट) ने 66 समुद्री मछुआरों के लिए पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

26. मत्स्यपालन विभाग के लिए सीपीजीआरएएमएस पोर्टल के अंतर्गत शिकायत निपटान 30 सितंबर, 2024 तक 96% था।

***